CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

▫ वर्ष- 28 ▫ अंक- 171 ▫ रायपुर, मंगलवार 15 जुलाई 2025 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

ब्रेकिंग न्यूज

आज धरती पर लौटेंगे शुभांशु, दोपहर में पृथ्वी के वायुमंडल में दाखिल

नई दिल्ली, 15 जुलाई (न्यूज चैनल)। भारत का बेटा शुभांशु शुक्ला 20 दिन अंतरिक्ष में और 18 दिन अंतरिक्ष स्टेशन पर बिताने के बाद आज धरती पर वापस लौट रहा है। इसके लिए पूरे देश में प्रार्थनाओं का दौर चल रहा है। शुंभाशु शुक्ला और क्रू के अन्य सदस्यों को लेकर ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट का कैप्सूल मंगलवार को दोपहर 3 बजे कैलिफोर्निया के समुद्र में उतरेगा। शुभांशु शुक्ला का यान सोमवार शाम करीब 4.45 बजे अंतरराष्ट्रीय स्पेश स्टेशन से अनडॉक हुआ।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की आज धरती पर वापसी को लेकर उनके पिता शंभु दयाल शुक्ला बेहद उत्साहित और खुश हैं। उन्होंने कहा कि इस स्प्लैशडाउन को इतिहास में याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि %हमारा बेटा आज मिशन पूरा कर धरती पर वापस लौट रहा है, इसे लेकर हम बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने हमें बेहद गौरवान्वित किया है। यह इतिहास में दर्ज होगा। हम उनकी सुरक्षित लैंडिंग के लिए दुआ कर रहे हैं। यह पूरे देश के लिए खुशी का दिन है। मैं देशवासियों की दुआओं के लिए उनका धन्यवाद देता हूं। वह हमारा बेटा है, लेकिन साथ ही वह पूरे देश का भी है। शुभांशु शुक्ला और क्रू के अन्य सदस्यों के धरती पर सुरक्षित उतरने के बाद उन्हें सात दिनों तक आइसोलेशन में रखा जाएगा। दरअसल 18 दिन शून्य गुरुत्वाकर्षण में बिताने के बाद अंतरिक्षयात्रियों को पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण वाले वातावरण में सामंजस्य बिठाने में कुछ दिन का वक्त लग जाता है। इस दौरान उनकी स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा निगरानी की जाएगी। भारत लौटने से पहले ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को कई शारीरिक और मनोवैज्ञानिक जांच से गुजरना होगा।

सीएसआर फंड को लेकर गरमाया सदन, भाजपा विधायक किरण सिंह देव ने ही मंत्री पर दागे सवाल, विपक्ष ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

विधानसभा का मानसून सत्र का दूसरा दिन

रायपुर, 15 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र दूसरे दिन बस्तर संभाग में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड के उपयोग को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरने का प्रयास किया। सबसे पहले यह मुद्दा भाजपा के ही विधायक किरण देव सिंह ने उठाया। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र में अब तक सीएसआर फंड से कोई भी काम स्वीकृत नहीं हुआ है, जबकि वहां कई बड़े उद्योग कार्यरत हैं। उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान सिंह ने सरकार से जगदलपुर और बस्तर संभाग में सीएसआर मद से अब तक किए गए कार्यों और खर्च की गई राशि का पूरा ब्योरा मांगा।

इसके बाद नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने भी सरकार पर हमला बोलते हुए पूछा कि उद्योग आखिर सीएसआर फंड का कितना हिस्सा खर्च कर रहे हैं? जवाब में मंत्री ने बताया कि कंपनियां 2 प्रतिशत तक राशि खर्च करने के लिए बाध्य हैं। इस पर महंत ने सवाल उठाया कि अगर सीएसआर फंड का उपयोग हो रहा है, तो उसका पारदर्शी लेखा-जोखा कहां है? उन्होंने तर्क दिया कि पहले की सरकार में इस मद में जितनी राशि खर्च होती थी और आज के खर्च में भारी अंतर है, जिसे सामने लाना जरूरी है। महंत ने कटाक्ष करते हुए कहा, अगर राशि सही जगह खर्च हो रही है, तो सरकार को उच्च स्तरीय जांच से डर क्यों है? उन्होंने सीएसआर मद में खर्च की जा रही पूरी राशि की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की।

शून्य काल में विपक्ष ने उठाया अवैध रेत खनन का मुद्दा, कहा- पुलिस और माइनिंग अधिकारियों की मिलीभगत से हो रहा अवैध खनन, इस पर चर्चा जरूरी

आसंदी ने किया अस्वीकार

विधानसभा में आज विपक्ष ने शून्य काल में रेत के अवैध उत्खनन का मुद्दा लाया. नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, लगातार प्रदेश में अवैध रेत खनन पुलिस ओर माइनिंग वालों की देखरेख में चल रहा है. खदानों में गोली चल रही है. जिंदा आदमियों पर ट्रक चढ़ा दिए जा रहे हैं, इसे स्वीकृत कर चर्चा कराई जाए. विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने इस मुद्दे पर सदन में चर्चा की ग्राह्यता को अस्वीकार किया. इसके बाद विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया। इससे पहले उमेश पटेल ने कहा, माइनिंग के अधिकारियों को जब पूछा जाता है तो वो कहते हैं कि हमें ऊपर से आदेश है कि इन्हें नहीं पकड़ना है. पत्रचार के बाद भी कार्यवाही नहीं की जा रही है. रेत माफियों ने रायगढ़ जिले के मांड नदी का कोई किनारा नहीं छोड़ा है. यहां धड़ल्ले से अवैध उत्खनन चल रहा है इसलिए इस पर चर्चा करना बहुत जरूरी है। देवेंद्र यादव ने कहा, आज के समय में पत्रकार भी सुरक्षित नहीं हैं. पूरी मिलीभगत के साथ अवैध रेत खनन का काम किया जा रहा है. इस पर चर्चा कराना बेहद जरूरी है. दिलीप लहरिया ने कहा, महानदी में कई जगहों पर रेत की सप्लाई बारिश में भी नहीं हो पा रही है. रेत माफिया चाकूबाजी करते हैं, समस्या गंभीर है, इसलिए हम चाहते हैं कि इस पर चर्चा हो. रामकुमार ने कहा, ऐसे विषय में चर्चा कराना बेहद आवश्यक है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, यह निर्माण से संबंधित है. रेत खनन में माफिया सरकार को अपने जेब में रखकर दादागिरी के साथ नदियों को खाली कर रहे हैं. आपके जिले में गोलियां चला रही है, यह विषय बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है इसलिए इसमें चर्चा कराना जरूरी है. विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा, स्थगन की सूचना आज प्राप्त हुई. उन्होंने इस मुद्दे पर सदन में चर्चा की ग्राह्यता को अस्वीकार किया. इसके बाद विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया।

जल जीवन मिशन के मुद्दे पर सदन में हंगामा, जवाब से असंतुष्ट विपक्ष के विधायकों ने किया वॉक आउट

प्रश्नकाल में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जल जीवन मिशन का मामला उठाते हुए इस मिशन को फेल होने का आरोप लगाया. डिप्टी सीएम और विभागीय मंत्री अरुण साव ने कहा, हमने 10 लाख नल कनेक्शन दिया है. इस पर विपक्ष के विधायकों ने गलत जानकारी देने की बात कही और जवाब से असंतुष्ट विपक्ष के विधायकों ने सदन से वॉक आउट किया। इससे पहले जल जीवन मिशन मामले को लेकर सदन में जमकर हंगामा हुआ. पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर नारेबाजी हुई. भारी हंगामे पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को हस्तक्षेप करना पड़ा. डॉ. रमन सिंह ने कहा, प्रश्नकाल को बाधित नहीं किया जाता. आसंदी की मर्यादा का ध्यान रखें. प्रश्नकाल में हंगामा करना उचित नहीं है. पूरा देश छत्तीसगढ़ विधानसभा की कार्यवाही को देखता है. सदस्यों को आपस में देखकर बात नहीं करनी चाहिए. आसंदी की ओर देख कर बात करनी चाहिए. आसंदी की मर्यादाओं का पालन हम सभी को करना होगा। प्रश्नकाल में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जल जीवन मिशन का मामला उठाते हुए पूछा कि साल 2022-23, 23-24 और 24-25 में कितनी राशि खर्च हुई? लक्ष्य के विरुद्ध कितने घरों में पानी पहुंच पाया? बघेल ने कहा, कई जिलों में कम राशि खर्च की गई. वहीं कई जिलों में दूसरे जिलों के मुकाबले बहुत कम घरों में पानी पहुंचा है। सवाल के जवाब में डिप्टी सीएम और विभागीय मंत्री अरुण साव ने कहा, अब तक साल 2022-23 से 15 हजार 45 करोड़ मतलब 57 प्रतिशत राशि खर्च हुआ है. 31 लाख 16 हजार 398 घरों में नल से पानी दे रहे हैं. 3 हजार 836 गांवों में पूरी तरह नल से पानी उपलब्ध कराया जा रहा है. राशि का भुगतान काम के प्रोग्रेस के मुताबिक किया जाता है इसलिए अलग-अलग जिलों में अलग-अलग स्थिति है. 49 लाख से ज्यादा घरों में नल कनेक्शन के जरिए पानी पहुंचाना है. देरी से काम शुरू हुआ है।

रेलवे कांट्रेक्टर विजय अग्रवाल के ठिकानों पर ईडी की दबिश

होटल सागर इंटरनेशनल और अन्य ठिकानों पर जांच जारी

दुर्ग, 15 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। रेलवे के बड़े कांट्रेक्टर और होटल सागर इंटरनेशनल के मालिक विजय अग्रवाल के दुर्ग स्थित ठिकानों पर मंगलवार सुबह ६ बजे ईडी ने छापा मारा। तीन इनोवा गाड़ियों में पहुंची ईडी टीम के साथ सीआरपीएफ जवानों की टुकड़ी भी मौजूद रही। सूत्रों के अनुसार, विजय अग्रवाल के घर और ऑफिस में ईडी की सघन पूछताछ और दस्तावेजी जांच जारी है। बताया जा रहा है कि विजय अग्रवाल की कई फर्में अलग-अलग नामों से पंजीकृत हैं, और उनके परिवार के अन्य सदस्य भी व्यापारिक गतिविधियों में जुड़े हुए हैं। यह समूह तीन भाइयों द्वारा संचालित होता था, लेकिन हाल ही में परिवार में बंटवारा हो गया है। ईडी की नजर इस पूरे कारोबारी समूह पर है, जिसमें तीनों भाइयों के नाम शामिल हैं। इस परिवार का नाम पिछली छ्4ीसगढ़ सरकार के दौरान मिड डे मील योजना में भी सामने आया था, जब इन्हें ठेका मिला था। इसके साथ ही रेल नीर घोटाले में भी इस समूह के कुछ सदस्यों पर गंभीर आरोप लगे थे। बताया जा रहा है कि छापे की कार्रवाई केवल दुर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि रायपुर में स्थित इस परिवार के अन्य ठिकानों पर भी ईडी की टीमें सक्रिय हैं। परिवार के स्वामित्व में रायपुर स्थित कोर्टयार्ड मैरियट होटल भी है, जो ईडी की जांच के दायरे में आ सकता है। फिलहाल ईडी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है, लेकिन कार्रवाई पूरे दिन चलने की संभावना है।

CMYK